Prof. Abdul Wahid
June 2011

33वां नेशनल यूथ फेस्टिवल : कश्मीर यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने बताया कि कैसे कश्मीरी युवा बदल रहे हैं

हमें तो टैलेंट के साथ परसेप्शन से भी लड़ना पड़ता है

अनीक मिश्र | रांची

रांची में 33वें नेशनल यूथ फेस्टिवल में कश्मीर यूनिवर्सटी के स्टूडेंट्स आएं हैं। कश्मीरी स्टूडेंट्स ने बताया कि कैसे कश्मीर का यूथ बदल रहा है। उनका फोकस कैरिअर है। वहां भी युवा वैसे ही हैं जैसे देश के बाकी हिस्सों में। लेकिन कश्मीरी युवाओं को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है क्योंकि उन्हें टैलेंट दिखाने के साथ लोगों में कश्मीर घाटी को लेकर मौजूद गलत परसेप्शन को भी बदलना पड़ता है।

कश्मीर में हमेशा आतंकी हमले नहीं होते। प्रदर्शन और प्रोटेस्ट भी नहीं। मीडिया और अन्य माध्यमों से कश्मीर की हमेशा निगेटिव ब्रांडिंग ही होती है। अब वहां फिल्मों की शूटिंग होती है। टूरिस्ट बढ़ रहे हैं। दैनिक भास्कर से विशेष बातचीत में कश्मीरी युवाओं की जुबानी, वर्तमान कश्मीर की कहानी...

नेशनल यूथ फेस्टिवल में कश्मीर से आए जैद भट, महक अयाज, अफीफा मखदूमी, शाफिया शफी, अली अब्बास व मीर लतीफ।

शाफिया बोली-मुश्किलों से लड़ना आदत : हमें आदत है मुश्किलों से लड़ने की। हम वैसे ही जीते हैं जैसे देश के बाकी हिस्सों के लोग। लड़कियों को भी पूरी आजादी है। हम यूनिवर्सिटी में आने वाले नए स्टूडेंट्स के साथ गेट-टुगेदर करते हैं। उन्हें बताते हैं कि कैसे आगे बढ़ें।

अफीफा बोली- घाटी में पतझड़ भी जन्नत : वहां सबसे बेहतरीन मौसम होता है पतझड़ का। सड़कों के किनारे चिनारों के पत्ते गिरे होते हैं। बर्फ से लदे पहाड़ जो वादी की खूबसूरती बढ़ा देते हैं। कश्मीर यूनिवर्सिटी में तो नजारा जन्नत सा होता है। स्टूडेंट्स नीट एग्जाम क्लियर कर रहे हैं।

कश्मीरियत में जज्बा ही तो है : महक अयाज

कश्मीरी युवाओं में देश के बाकी हिस्सों के युवाओं जैसा जज्बा है। कॅरिअर पर फोकस है। हमें ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। क्योंकि हमने दर्द को करीब से देखा है। हम उस दर्द और देश में कश्मीर को लेकर मौजूद गलत परसेप्शन, दोनों से लड़ते हुए अपना टैलेंट दिखाते हैं। आज हमारे यहां बेहतरीन रैपर्स हैं, कवि हैं, फ्यूजन म्यूजीशियन है, ओपन माइक पोएट हैं। खवाजा मुसद्दिक, रुहान मदनी, रेहान राशिद जैसे लेखक-कलाकार हैं। ओमायरा व बीनिश जैसी बहनें हैं जो आंत्रप्रेन्योर हैं।

कलाकारी-संगीत कश्मीर की रूह में है : जैद भट

अभी कश्मीर के लड़के भी पारंपरिक गीतों को सजो रहे हैं। हमारे यहां लड़कों की आवाज भी बेहद मीठी होती है। इसीलिए तो मुजाम बट और मो. मुनीम संगीत की दुनिया में छाए हुए हैं। लोग कहते हैं कि कश्मीरी लड़के गलत कामों में शामिल हैं। जनाब, कश्मीर आकर देखिए इससे बेखबर और नेकदिल लड़के कहीं नहीं मिलेंगे। उन्हें सिर्फ अपने कॅरिअर की फिक्र है। मैं खुद कैरीकेचर्स बनाता हूं। कलाकारी, संगीत और गीत तो कश्मीर की रूह में है। हम चाहते हैं कि और सुविधाएं मिलें।

HAPIVANSH TANA BHAGAT
INDOOR STADIUM

Ranchi, Jharkhand

आज का मौसम			
रांची	27.4	12.4	सूर्यास्त आज
जमशेदपुर	31.0	13.0	05.47 pm
बोकारो	28.5	12.2	सूर्योदय कल
डालटनगंज	29.6	12.4	06.20 am

dainikbhaskar.com दैनिक भास्कर, रांची रविवार, 18 फरवरी, 2018 02

33वां नेशनल यूथ फेस्टिवल : कश्मीर यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने बताया कि कैसे कश्मीरी युवा बदल रहे हैं

हमें तो टैलेंट के साथ परसेप्शन से भी लड़ना पड़ता है

अभिषेक सिंह | रांची

रांची में 33वें नेशनल यूथ फेस्टिवल में कश्मीर यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स आए हैं। कश्मीरी स्टूडेंट्स ने बताया कि कैसे कश्मीर का यूथ बदल रहा है। उनका फोकस कॅरिअर है। वहां भी युवा वैसे ही हैं जैसे देश के बाकी हिस्सों में। लेकिन कश्मीरी युवाओं को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है क्योंकि उन्हें टैलेंट दिखाने के साथ लोगों में कश्मीर घाटी को लेकर मौजूद गलत परसेप्शन को भी बदलना पड़ता है।

कश्मीर में [illegible] आतंकी हमले नहीं होते। प्रशासन और [illegible] भी [illegible] मीडिया और अन्य माध्यमों से कश्मीर [illegible] बढ़ाया ही होती है। अब वहां फिल्मों [illegible]। टूरिस्ट बढ़ रहे हैं। दैनिक भास्कर [illegible] बातचीत में कश्मीरी युवाओं की जुबानी, वर्तमान कश्मीर की कहानी...

नेशनल यूथ फेस्टिवल में कश्मीर से आए जैद भट, महक अयाज, अलीशा मकदूमी, शाफिया शफी, अली अब्बास व मीर लतीफ।

शाफिया बोली- मुश्किलों से लड़ना आदत : हमें आदत है मुश्किलों से लड़ने की। हम वैसे ही जीते हैं जैसे देश के बाकी हिस्से के लोग। लड़कियों को भी पूरी आजादी है। हम यूनिवर्सिटी में आने वाले नए स्टूडेंट्स के साथ गेट-टुगेदर करते हैं। उन्हें बताते हैं कि कैसे आगे बढ़ें।

अलीशा बोली- घाटी में पतझड़ भी जन्नत : वहां सबसे खूबसूरत मौसम होता है पतझड़ का। सड़कों के किनारे चिनारों के पत्ते गिरे होते हैं। बर्फ से लदे पहाड़ तो घाटी की खूबसूरती बढ़ा देते हैं। कश्मीर यूनिवर्सिटी में तो जन्नत जैसा सा होता है। स्टूडेंट्स नीट एग्जाम क्लियर कर रहे हैं।

कश्मीरियत में जज्बा ही तो है : महक अयाज

कश्मीरी युवाओं में देश के बाकी हिस्सों के युवाओं जैसा जज्बा है। कॅरिअर पर फोकस है। हमें ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। क्योंकि हमने दर्द को करीब से देखा है। हम उस दर्द और देश में कश्मीर को लेकर मौजूद गलत परसेप्शन, दोनों से लड़ते हुए अपना टैलेंट दिखाते हैं। आज हमारे यहां बेहतरीन रैपर्स हैं, कवि हैं, फ्यूजन म्यूजिशियन हैं, ओपन माइक पोएट हैं। रउफ मुश्ताक, रहमान मजीद, रोशन राशिद जैसे लेखक-कलाकार हैं। ओसामा व बशीर जैसी बहनें हैं जो आर्किटेक्ट हैं।

कलाकारी-संगीत कश्मीर की रूह में है : जैद भट

अभी कश्मीर के लड़के भी पारंपरिक गीतों को सजो रहे हैं। हमारे यहां लड़कों की आवाज भी बेहद मीठी होती है। इसीलिए तो मुजफ्फर भट और डॉ. मुनीम सगीर जी दुनिया में छाए हुए हैं। लोग कहते हैं कि कश्मीरी लड़के गलत कामों में शामिल हैं। जबकि, कश्मीर अगर दुनिया इतने बेहतर और टेलेंटेड लड़के कहीं नहीं मिलेंगे। उन्हें सिर्फ अपने कॅरिअर की फिक्र है। मैं खुद [illegible] करता हूं। कलाकारी, संगीत और गीत तो कश्मीर की रूह में हैं। हम चाहते हैं कि और सुविधाएं मिलें।

10